भाजपा सांगठनिक रचना

संगठनात्मक जिले	–	899
मंडल	–	11427
बूथ	–	863661
विस्तारक–		
विधान सभाओं में	–	2566
लोकसभा में	–	442 प्रमुख एवं 10 सह–प्रमुख

लोकसभा चुनाव हेतु संचालन समिति

- प्रत्येक प्रदेश में 14 से 21 लोकसभा की संचालन समितियों का गठन एवं उनकी लगातार बैठकें संपन्न हुई।
- इसी प्रकार से प्रत्येक लोकसभा में लोकसभा संचालन समितियों का भी गठन हुआ।
- कुल 7000 से अधिक लोकसभा संचालन समितियों में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने चुनाव से 6 माह पूर्व कार्य प्रारंभ किया।

संगठनात्मक– लोकसभा चुनाव अभियान

- विस्तारक योजना
- शक्ति केन्द्र प्रमुख सम्मेलन
- मेरा बूथ सबसे मजबूत
- प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन
- युवा सम्मेलन
- संगठन संवाद– मेरा बूथ सबसे मजबूत
- मेरा परिवार भाजपा परिवार
- कमल संदेश बाइक रैली
- कमल ज्योति संकल्प
- मैं भी चौकीदार हूं
- भारत के मन की बात

2019 के आम चुनावों के दौरान भाजपा ने 14 प्रमुख अभियान चलाए। ये निम्नलिखित हैं :

(1) मोदी है तो मुमकीन है,

(2) चौकीदार,

(3) फिर एक बार भारत मोदी सरकार,

(4) घोषणापत्र का विज्ञापन श्रृंखला,

(5) रफ़्तार,

(6) कर चूका फ़ैसला,

(7) एनिमेटेड श्रृंखला,

(8) चुन राहे हैं,

(9) फर्स्ट टाइम वोटर,

(10) देश भक्त,

(11) करम ही है धरम मेरा,

(12) प्रधानमंत्री की अपील,

(13) दिल्ली के लिए स्पेशल (दिल्ली के दिल में...),

(14) मोदी सरकार क्यों?

लोकसभा चुनाव–2019 में वालेंटियर्स द्वारा किये गये कार्य

2019 के चुनाव volunteers द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए याद किए जाएंगे। सभी age-groups, समाज के सभी वर्गों और हर क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया इन चुनावों में अपनी भागिदारी दर्ज कराई और बड़ी दृढ़ता के साथ भाजपा को पुन: विजयी बनाने के लिए काम किया। Volunteers ने सक्रिय रूप से ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन campaigning का भी नेतृत्व किया। NaMo ऐप, NaMo merchandise, माइक्रो-डोनेशन ने देशभर के करोड़ों लोगों को पार्टी और उसके संदेश से जोड़ने में मदद की। लाखों volunteers ने न केवल बीजेपी के कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहे प्रचार अभियान को सफल बनाया, बल्कि उसमें अपनी और ताकत झोंकी और दूर-दूर तक बीजेपी के संदेश को लोगों तक पहुंचाने में मदद की।

मोदी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में अभूतपूर्व जनभागीदारी देखी है। चाहे कोई योजना या फिर नीति निर्धारण, सरकार ने हमेशा जनभागीदारी को बढ़ावा दिया है और जनता के विचारों एवं सुझावों का स्वागत किया है। इसी का परिणाम है कि 2019 के चुनावों में People-led campaign देखने को मिला। इन चुनावों में ऐसा देखा गया कि लोगों ने पार्टी के बजाय खुद ही अभियान शुरू किया और उसे आगे बढ़ाया। 'मैं भी चौकीदार' अभियान में युवा हो या बुजुर्ग, पुरुष हों चाहे महिलाएं, किसान हों या फिर पेशेवर, इसमें सभी वर्गों के लोगों की अपार भागीदारी देखने को मिली। इसी तरह से लोगों ने ही 'फिर एक बार मोदी सरकार' और 'आएगा तो मोदी ही' अभियान शुरू किया जो जो बहुत लोकप्रिय हुआ।